पाठ 23

हमारी विरासत

एक दिन हम अपनी कक्षा के साथ चित्तौड़गढ़ भ्रमण पर गए। जल्दी सुबह तैयार होकर हम किले पर पहुँचने के लिए निकले। किले पर पहुँचकर देखा कि वहाँ खूब सारे सैलानी आए हुए थे। हमने घूमने के लिए एक गाइड साथ लेकर किले का भ्रमण किया और जानकारी प्राप्त की।

रोहित – इतना विशाल किला और इतना ऊँचा भी है।
दीपेश – किले की दीवारें कितनी मोटी हैं।
आशा – दीवारों के ऊपरी भाग में छेद भी हैं।
ज्योति – अरे! इतना बड़ा दरवाजा और इस पर छोटे–छोटे नुकीले कीले क्यों लगे हैं?

चित्र 23.1 चित्तौड़ के किले का द्वार एवं किला

गाइड ने बताया कि चित्तौड़ का किला राजस्थान के शिल्प एवं स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना है। यह इतिहास का प्रसिद्ध किला हैं। राजा रतनसिंह की पत्नी रानी पद्मिनी ने यहाँ जौहर किया। किले के दरवाजे पर सुरक्षा हेतु कीले लगाए गए थे।

गाइड ने बताया कि दीवारों के ऊपर बने बुर्ज से आक्रमणकारी सेना को देखकर, किले के सैनिक उन पर गोलियाँ चला कर अपना बचाव किया करते थे। पुराने समय में राजा की सेना में हाथी भी होते थे, उनके किले से बाहर आने–जाने हेतु दरवाजे भी बड़े बनाए जाते थे। किले ऊँचाई पर बनाए जाते थे। जिसको बनाने के लिए पत्थर हाथियों द्वारा पहुँचाए जाते थे।

सोचिए और बताइए

- किले के दरवाजे पर छोटे–छोटे नुकीले कीले क्यों लगाए जाते थे?
- किले के दरवाजे बड़े बनाए जाने के क्या कारण थे?
- दीवारों के ऊपर की तरफ बुर्ज क्यों रखे जाते थे?
- किले ऊँची जगह पर क्यों बनाए जाते थे?

नक्षत्र – इसके अंदर तो और भी कई महल हैं।
पूजा – किले और महल में क्या फर्क है?
जयपाल – किले सुरक्षा की दृष्टि से बनाए जाते थे जबकि महल राजाओं और उनकी रानियों के रहने के लिए बनाए जाते थे।

विजय स्तंभ

चित्र 23.2 विजय स्तंभ

नीना – वाह! इतनी ऊँची इमारत।
सुनिता – यह तो विजय स्तंभ है। इसे महाराणा कुंभा ने महमूद खिलजी के नेतृत्व वाली मालवा और गुजरात की सेनाओं पर विजय पाने पर बनाया था। यह 122 फिट ऊँचा और 9 मंजिला है।

कीर्ति स्तंभ

अमित – यह इमारत क्या है?

गाइड – यह कीर्ति स्तंभ है। यह लगभग 22 मीटर ऊँचा और सात मंजिला है। इसके भीतरी भाग में प्रकाश रहता है।

चित्र 23.3 कीर्ति स्तम्भ

वहाँ हमें दूसरे स्कूलों के छात्र भी मिले। उन्होंने बताया कि वे राजस्थान भ्रमण पर निकले हैं। उन्होंने अनेक किले, मंदिर, मस्जिद, मीनारें देखी हैं। हमने गाइड से पूछा कि हमें कौन–कौनसे ऐतिहासिक स्थान देखने चाहिए, उसने बताया कि राजस्थान में अनेक ऐतिहासिक इमारतें हैं, जिन्हें आपको देखना ही चाहिए।

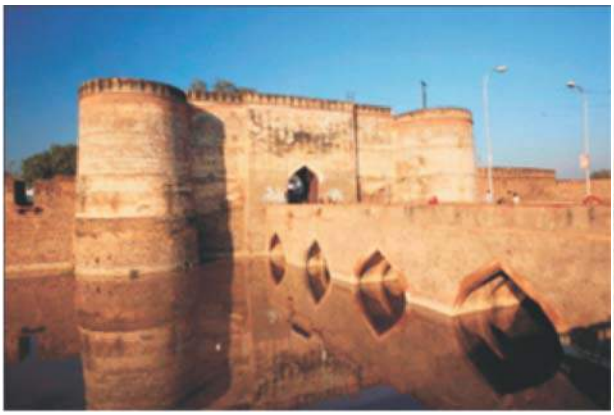

लोहागढ़ का किला, भरतपुर

जयगढ़ किला, जयपुर

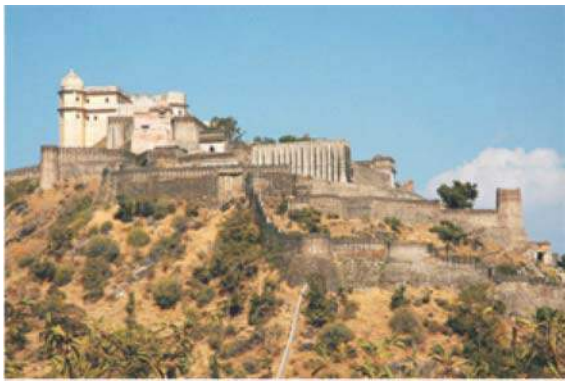

कुंभलगढ़, राजसमन्द

सोनार किला, जैसलमेर

चित्र 23.4 विभिन्न किले

प्राचीन स्मारक हमारी राष्ट्रीय धरोहर है। इनकी सुरक्षा हर नागरिक का दायित्व है।

पता कीजिए और लिखिए

ऊपर दिखाए गए किलों के चित्रों को देखकर शिक्षक से इनके बारे में जानकारी इकट्ठी कीजिए।

आओ जानें

राजस्थान के प्रमुख दुर्ग

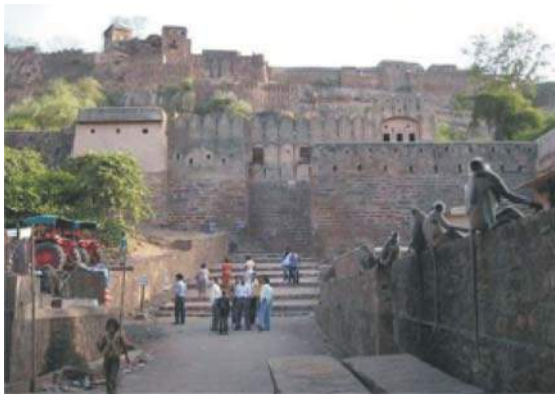

चित्र 23.5 रणथंभौर दुर्ग

रणथंभौर का दुर्ग – रणथम्भौर का दुर्ग सवाईमाधोपुर जिले में है। इस दुर्ग में राजस्थान का प्रसिद्ध त्रिनेत्र गणेश मंदिर है। जहाँ गणेश चतुर्थी को मेला भरता है। इस दुर्ग की सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इस दुर्ग में राजस्थान का प्रथम साका हुआ था। यह गिरि दुर्ग है।

मेहरानगढ़ दुर्ग – यह दुर्ग भी गिरि दुर्ग है। यह जोधपुर जिले में स्थित है, इस किले को चिड़ियाटूंक के नाम से भी जाना जाता है।

कुंभलगढ़ दुर्ग – यह राजसमंद जिले में स्थित है। इसे मेवाड़ की आँख उपनाम से भी जाना जाता है। इस दुर्ग को महाराणा कुंभा ने पन्द्रहवी शताब्दी में बनवाया था। इसकी दीवार विश्व प्रसिद्ध है।

पुराने समय में राजा महाराजाओं ने दुर्ग के निर्माण कराऐ थे। आक्रमण के समय दुश्मनों से बचाव के लिए दुर्ग के बड़े–बड़े दरवाजे बंद कर दिए जाते थे, खाद्य सामग्री व अन्य सामग्री दुर्ग में संग्रहित की जाती थी।

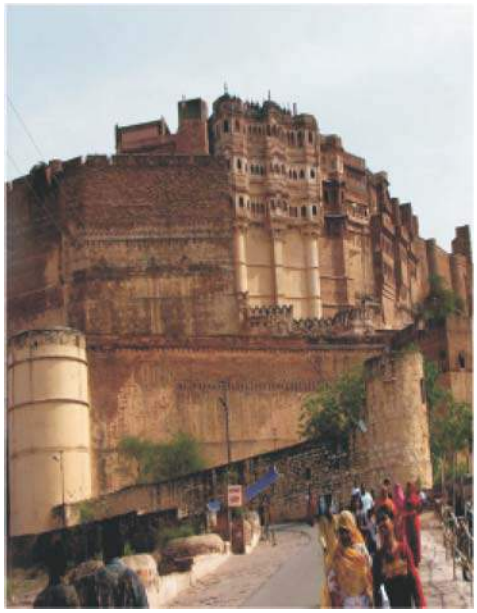

चित्र 23.6 मेहरानगढ़ दुर्ग

हमने सीखा

- प्राचीन समय में रक्षा के लिए किले बनाए जाते थे।
- राजा, महाराजा विजय स्मृति के रूप में स्मारक भी बनाते थे।

जाना—समझा, अब बताइए

- लोहागढ़ का किला, कुम्भलगढ़ दुर्ग, सोनार किला, जयगढ़ दुर्ग के बारे में अपने विद्यालय के पुस्तकालय या पत्र—पत्रिकाओं से जानकारियाँ प्राप्त कर लिखिए।
- हमें ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण क्यों करना चाहिए?
- आपके आस—पास कोई किला, दुर्ग या महल है तो उसका फोटो अपनी कॉपी में लगाइए व उसके बारे में कुछ जानकारियाँ एकत्र कर लिखिए।

ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर का रख—रखाव हमारा नैतिक दायित्व है।